



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 24 जून, 2004/3 आषाढ़, 1926

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-171004, 24 जून, 2004

संख्या वि० स०-गवर्नमेंट बिल/1-32/2004.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत पंजाब एक्साइज (हिमाचल प्रदेश) संशोधन विधेयक, 2004

(2004 का विधेयक संख्यांक 6) जो आज दिनांक 24 जून, 2004 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

जे० आर० गाजटा,
सचिव ।

पंजाब एक्साइज (हिमाचल प्रदेश) संशोधन विधेयक, 2004

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथाप्रवृत्त; और प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश (विधियों का लागू होना) आदेश, 1948 और बिलासपुर (विधियों का लागू होना) आदेश, 1949 द्वारा यथा लागू पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 (1914 का 1) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के पचपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम पंजाब एक्साइज (हिमाचल प्रदेश) संशोधन अधिनियम, 2004 है।

संक्षिप्त नाम।

2 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त; और प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में यथा लागू पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 की धारा 61-A में,—

धारा 61-A का संशोधन।

(क) उप-धारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) Notwithstanding anything contained in sub-section (1) of section 61, any offence, whether committed before or after the commencement of the Punjab Excise (Himachal Pradesh) Amendment Act, 2004, relating to the import, export, transport or possession upto 100 litres of lahan or upto 45-bulk litres of liquor may either before or after the institution of the prosecution, be compounded by the Judicial Magistrate of the first class or by the excise officers of the first-class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner) within their respective jurisdiction for an amount which shall not be less than three thousand rupees but shall not exceed twenty five thousand rupees:

Provided that the excise officers of the first-class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner) shall compound the offence under this sub-section, where it relates to the quantity of lahan upto 60 litres or upto 18 bulk litres of liquor, before the institution of the prosecution.”; and

(ख) उप-धारा (3) में, “1st class” शब्दों के पश्चात् “or the excise officer of the first class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner), as the case may be,” शब्द, कोष्ठक और चिन्ह अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा लागू; और प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश (विधियों का लागू होना) आदेश, 1948 और बिलासपुर (विधियों का लागू होना) आदेश, 1949 द्वारा यथा लागू, पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 की धारा 61 के अधीन अवैध मद्य (लिकर) या अन्य मद्य (लिकर) के अवैध निर्माण, विक्रय, कब्जे, परिवहन, आयात तथा निर्यात के मामले अपराध बना दिए गए हैं। यह देखा गया है कि अधिकांश संख्या में आबकारी मामले अन्वेषण के लिए लम्बित रहने के साथ-साथ विभिन्न न्यायालयों में निपटारे हेतु भी लम्बित हैं। न्यायालयों में इस लम्बन को कम करने के लिए तथा अन्वेषण तथा अभियोजन अभिकरणों के कार्य की अधिकता (वर्कलोड) को कम करने के लिए भी उपर्युक्त अधिनियम की धारा 61-A के अधीन छोटे (पैटी) अपराधों का शमन करने की शक्तियों को, साठ लीटर तक के लाहून और मद्य (लिकर) के अठारह बल्क लीटर तक, प्रथम श्रेणी के आबकारी अधिकारियों (जो सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त की पंक्ति से नीचे के न हों) को देने का विनिश्चय किया गया है। प्रथम श्रेणी के न्यायिक मैजिस्ट्रेट की शमन की शक्तियों को, 100 लीटर तक के लाहून तथा मद्य (लिकर) के 45 बल्क लीटर तक बढ़ाने का भी विनिश्चय किया गया है। इससे न्यायालयों को, लम्बित मामलों (बैकलॉग) को निपटारने तथा गम्भीर प्रकृति के मामलों को समय देने में भी सुविधा हो जाएगी। इसलिए उपर्युक्त अधिनियम की धारा 61-A को उपर्युक्त रूप से संशोधित करने का प्रस्ताव किया गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

रंगीला राम राव,
प्रभारी मंत्री।

शिमला :

तारीख 2004.

द्वितीय ज्ञापन

-शून्य-

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

-शून्य-

पंजाब एक्साइज (हिमाचल प्रदेश) संशोधन विधेयक, 2004

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गये क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त; और प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में, हिमाचल प्रदेश (विधियों का लागू होना) आदेश, 1948 और बिलासपुर (विधियों का लागू होना) आदेश, 1949 द्वारा यथा लागू पंजाब एक्साइज ऐक्ट, 1914 (1914 का 1) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

रंगीला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
सचिव (विधि)।

शिमला :
तारीख.....

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 6 of 2004

THE PUNJAB EXCISE (HIMACHAL PRADESH) AMENDMENT
BILL, 2004

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914), as in force in the areas added to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Re-organisation Act, 1966 (31 of 1966); and as applied to areas which comprised in Himachal Pradesh immediately before the 1st day of November, 1966 vide the Himachal Pradesh (Application of Laws) Order, 1948 and the Bilaspur (Application of Laws) Order, 1949.

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-fifth Year of the Republic of India, as follows :—

Short title.

1. This Act may be called the Punjab Excise (Himachal Pradesh) Amendment Act, 2004.

Amend-
ment of
section
61-A.

2. In section 61-A of the Punjab Excise Act, 1914, as in force in the areas added to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Re-organisation Act, 1966; and as applied to the areas which comprised in Himachal Pradesh immediately before the 1st day of November, 1966,—

(a) for sub-section (1), the following shall be substituted, namely:—

“(1) Notwithstanding anything contained in sub-section (1) of section 61, any offence, whether committed before or after the commencement of the Punjab Excise (Himachal Pradesh) Amendment Act, 2004, relating to the import, export, transport or possession upto 100 litres of lahan or upto 45 bulk litres of liquor may either before or after the institution of the prosecution, be compounded by the Judicial Magistrate of the first Class or by the excise officers of the first Class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner) within their respective jurisdiction for an amount which shall not be less than three thousand rupees but shall not exceed twenty five thousand rupees:

Provided that the excise officers of the first Class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner) shall compound the offence under this sub-section, where it relates to the quantity of lahan upto 60 litres or upto 18 bulk litres of liquor, before the institution of the prosecution.”; and

(b) in sub-section (3), after the words “1st Class”, the words, bracket and signs “or the excise officer of the first Class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner), as the case may be,” shall be inserted.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Under section 61 of the Punjab Excise Act, 1914, as applicable to the areas added to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Re-organisation Act, 1966 (31 of 1966); and as applied to the areas which comprised in Himachal Pradesh immediately before the first day of November, 1966 *vide* the Himachal Pradesh (Application of Laws) Order, 1948 and the Bilaspur (Application of Laws) Order, 1949, the cases of illicit manufacture, sale, possession transport, import and export of illicit or other liquor have been made offences. It has been observed that large number of excise cases are pending for investigation and are also pending in various courts for want of disposal. In order to reduce this pendency in courts and also to reduce the work load of investigating and prosecution agencies, it has been decided to extend the powers of composition of petty offences under section 61-A of the Act *ibid* to the excise officers of the first Class (not below the rank of Assistant Excise and Taxation Commissioner) upto 60 litres of lagan and upto 18 bulk litres of Liquor. It has also been decided to enhance the powers of composition of the Judicial Magistrate of the first Class upto 100 litres of lagan and upto 45 bulk litres of liquor. This will also facilitate the courts to clear backlog and to devote more time to the cases of serious nature. Accordingly, it has been proposed to suitably amend section 61-A of the Act *ibid*.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-Charge.

SHIMLA ;

The... June, 2004.

FINANCIAL MEMORANDUM

-NIL-

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

-NIL-

THE PUNJAB EXCISE (HIMACHAL PRADESH) AMENDMENT BILL, 2004

A

BILL

further to amend the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914), as in force in the areas added to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Re-organisation Act, 1966 (31 of 1966); and as applied to areas which comprised in Himachal Pradesh immediately before the 1st day of November, 1966 vide the Himachal Pradesh (Application of Laws) Order, 1948 and the Bilaspur (Application of Laws) Order, 1949.

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-Charge.

— — — — —

SURINDER SINGH THAKUR,
Secretary (Law).

SHIMLA-2 :

The June, 2004.